संदेश

बिहार पृथ्वी दिवस 9 अगस्त 2024

प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को बिहार पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना, बिहार राज्य में प्रकृति संरक्षण के विभिन्न अभियानों में एक विशेष कड़ी है। इसका प्रारम्भ बिहार राज्य में वर्ष 2011 से हुआ था।

9 अगस्त की तिथि 9 अगस्त 1945 को द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी, जापान में एटम बम गिराये जाने की पृथ्वी को विनाश करने की अमानवीय घटना से जुड़ी है। प्रसंगवथ यह भी स्मरणीय है कि इसका एक दिन पूर्व 8 अगस्त वर्ष 1942 में प्रारम्भ देश की आजादी के संग्राम से जुड़ी अगस्त क्राँति की ऐतिहासिक तिथि से भी जुड़ी है।

बिहार में राज्य सरकार द्वारा नई पीढ़ी के लिय 9 अगस्त की तिथि को एक नई मानवता की प्रगतिशील संज्ञा देकर पर्यावरण को बचाने के संकल्प के साथ ''बिहार पृथ्वी दिवस'' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया। इस तिथि को राज्य भर में स्कूली बच्चों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया जाता है। इसमें 11 सूत्रों पर व्यावहारिक कार्यों में लिये प्रतिबद्धता व्यक्त की जाती है।

• जैव विविधता संरक्षण और बिहार पृथ्वी दिवस

प्राकृतिक जैव विविधता का संरक्षण पृथ्वी के प्राकृतिक गुणों और विशेषताओं के संरक्षण में सवर्था हितकारी है। इससे पृथ्वी के पर्यावरण के संरक्षण में प्रभावी समर्थन मिलता है।

विभिन्न स्वरूप के औद्योगिक, अर्थव्यवस्था, अवसंरचना तथा शहरीकरण की वृद्धि और विस्तार के प्रतिफल में पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र के अवकृष्ट होने की प्रक्रिया को रोकने और उसका निराकरण करने में प्राकृतिक जैव विविधता का संरक्षण बहुआयामी उपाय है।

अतः प्राकृतिक स्वरूप के पेड़–पौधों, जीव जन्तुओं तथा उनके अधिवास स्थलों तथा नदी, झील, पहाड़ और वनों को उनके नैसर्गिक अवस्था में यथा सम्भव बचा कर रखने के उपाय करना आवश्यक हो गया है। इसी के साथ स्थानिक/देशी किस्म के कृषि उत्पादों तथा देशज नस्ल के पालतु पशुओं को विलुप्त होने से बचाना भी वांछित है। इनसे जुड़ी पारम्परिक ज्ञान और व्यावाहिर पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं को भी संरक्षित करना आवश्यक है।

इन सब के लिये सुनियोजित एवं विशेष लक्षित प्रयास जरूरी है।

राज्य जैव विविधता पर्षद् इस दिशा में उपयुक्त प्रकार के क्रिया–कलापों के प्रोत्साहन और कार्यान्वयन में जैव विविधता नीति और कानून के अन्तर्गत प्रयासरत है। बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर यह पर्षद् भी इस अभियान में संकल्पित है।

अध्यक्ष,
बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद्, पटना।